www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"Every whistle of an Indian train echoes the rhythm of India- vast, vibrant, & unstoppable."

"From the Himalayas to Kanya-kumari, Indian Railways binds a diverse land with one journey."

वर्ष-35 अंक:17 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 सितम्बर 2025 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

Cabinet Nod To Major Rail Push: Multi-tracking in Karnataka, Telangana, Bihar, Assam & New line for Gujarat's Kutch

Decision to benefit both passenger & goods, New rail line in Kutch to boost tourism by connecting the bordering Rann of Kutch, Harappan site Dholavira, Koteshwar temple, Narayan Sarovar & Lakhpat fort

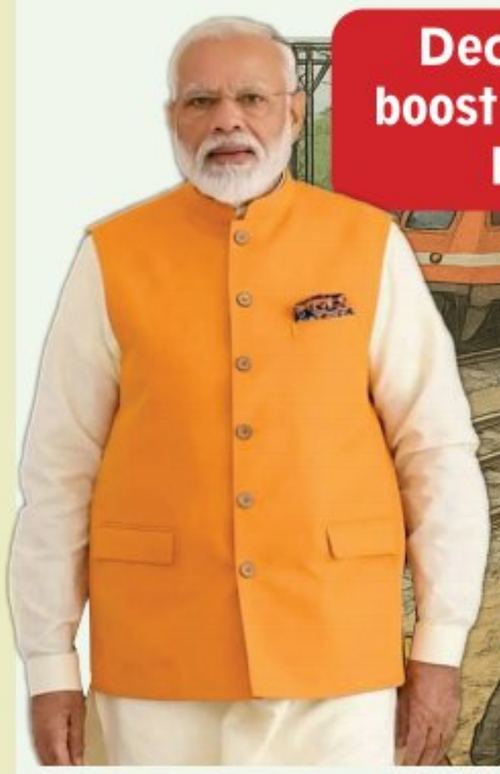

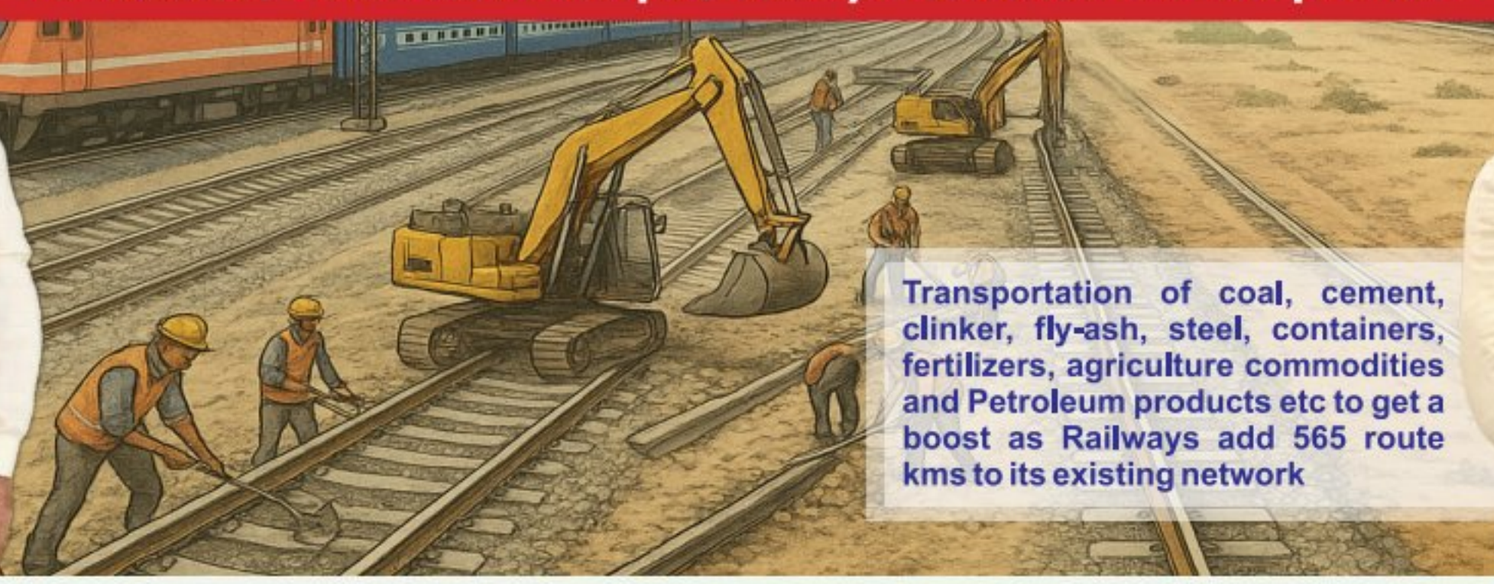

Transportation of coal, cement, clinker, fly-ash, steel, containers, fertilizers, agriculture commodities and Petroleum products etc to get a boost as Railways add 565 route kms to its existing network

Source/RSB- The Union Cabinet has approved four major projects from the Ministry of Railways, sanctioning a total of approximately ₹12,328 Crore to enhance rail connectivity and capacity.

The sanctioned projects include the Deshalpar– Lakhpat new line, the Secunderabad–Wadi 3rd and 4th lines, the Bhagalpur–Jamalpur 3rd line, and the doubling of the Furkating–New Tinsukia line.

The projects aim to ensure seamless & faster transportation of both passengers and goods. These initiatives will provide connectivity & improve travel convenience besides reducing logistic cost and decrease dependence on oil imports. Additionally, the projects will contribute to lower CO2 emissions, thereby supporting sustainable & efficient rail operations. The projects will also generate direct employment for about 251 (Two Hundred & Fifty-one) lakh-human-days during its construction.

The proposed new line will provide connectivity to far-fetched areas of Kutch region. It will add 145 route km & 164 track km to the existing railway network in Gujarat with an estimated cost of 2526 crore rupees. The completion timeline of the project is 3 years. Besides promoting tourism in the state of Gujarat, the new rail line will help in transportation of salt, cement, coal, clinker & bentonite. The strategic importance of the project is that it will provide connectivity to Rann of Kutch. Harappan site Dholavira, Koteshwar temple, Narayan Sarovar & Lakhpat fort will also come under the rail network as 13 new railway stations will be added benefitting 866 villages & about 16 Lakh population.

In a major Connectivity boost, the approved Multitracking projects will enhance connectivity to approx. 3,108 villages and about 47.34 lakh population and One Aspirational District (Kalaburagi) benefitting the states of Karnataka, Telangana, Bihar & Assam. The completion timeline for 173 km long Secunderabad (Sanathnagar) – Wadi 3rd and 4th Line, spanning across Karnataka & Telangana, having cost of 5012 crores, is five years while for the 53 km long Bhagalpur – Jamalpur 3rd line in Bihar, it is three years, for which the cost is 1156 crore rupees. The work for 194 km long Furkating – New Tinsukia Doubling, having the cost of 3634 crore rupees, will be completed in four years.

The increased line capacity will significantly enhance mobility, resulting in improved operational efficiency and service reliability for Indian Railways. These multi-tracking proposals are poised to streamline operations and alleviate congestion. The projects are in line with Prime Minister Shri Narendra Modiji's Vision of a New India which will make people of the region "Atmanirbhar" by way of comprehensive development in the area which will enhance their employment/ self-employment opportunities.

The projects are planned on PM-Gati Shakti National Master Plan with a focus on enhancing multi-modal connectivity and logistic efficiency through integrated planning and stakeholder consultations. The four projects covering 13 Districts across the states of Gujarat, Karnataka, Telangana, Bihar and Assam will increase the existing network of Indian Railways by about 565 Kms.

These are essential routes for transportation of commodities such as coal, cement, clinker, flyash, steel, containers, fertilizers, agriculture commodities and petroleum products etc. The capacity augmentation works will result in additional freight traffic of magnitude 68 MTPA (Million Tonnes Per Annum). The Railways being environment friendly and energy efficient mode of transportation, will help both in achieving climate goals and minimizing logistics cost of the country, reduce oil import (56 Crore Litres) and lower CO2 emissions (360 Crore Kg) which is equivalent to plantation of 14 Crore trees.

The proposed projects aim to enhance logistical efficiency by augmenting line capacity along critical routes for transportation of coal, containers, cement, agricultural commodities, Automobile, POL, Iron & Steel and other goods. These improvements are expected to optimize supply chains, thereby facilitating accelerated economic growth.

Sh. Satish Kumar to Continue as Railway Board Chairman & CEO, ACC Approves One-Year Extension

Source/RSB- In a significant development, the Appointments Committee of the Cabinet (ACC) has approved a one-year extension in tenure for Shri Satish Kumar, the incumbent Chairman and Chief Executive Officer (CEO) of the Railway Board. The decision ensures leadership continuity for Indian Railways as it undergoes major transformations.

According to the official notification, the service extension will be effective from September 1, 2025. Shri Kumar's appointment is on a re-employment, contract basis under the existing terms and conditions. His tenure will continue for one year or until further orders are issued, whichever is earlier. As the Chairman & CEO of the Railway Board, he is the top official responsible for overseeing the operations, modernization, & strategic projects of the entire Indian Railways network. This extension is seen as a crucial step to maintain momentum on the various ongoing initiatives and reforms within Indian Railways, ensuring stability in policy and project implementation.

भारत अब मोबाइल फोन के हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करेगा जिसमें मेड इन इंडिया (भारत में निर्मित) चिप्स भी शामिल हैं: श्री अश्विनी वैष्णव

भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स विकास यात्रा मेक इन इंडिया अभियान के अंतर्गत 11.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादन, 3 लाख करोड़ रुपए मूल्य के निर्यात एवं 25 लाख रोजगारों पर आधारित

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने देश के प्रथम टेम्पर्ड ग्लास विनिर्माण कारखाने का नोएडा में उद्‌घाटन किया। यह टेम्पर्ड ग्लास मोबाइल उपकरणों में काम आयेगा। यह कारखाना ऑप्टीमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने यूसए के कॉर्निंग इंक पॉरेटेड की साझेदारी में लगाया है। इसमें उच्च गुणवत्ता के टैंपर्ड ग्लास का उत्पादन दुनिया भर में प्रचलित ब्रांड "इंजीनियर्ड बाय कॉर्निंग" के अंतर्गत किया जाएगा। उत्पादों की आपूर्ति घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही बाजारों में की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने कहा टैंपर्ड ग्लास दरअसल मोबाइल फोन का महत्त्वपूर्ण अंग है और इसका घरेलू उत्पादान मेक इन इंडिया तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि की सफलता के लिए लंबी छलांग है। उन्होंने बताया कि भारत एक-एक करके मोबाइल फोन, हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करता जा रहा है। इनमें चिप्स, कवर ग्लास, लैपटॉप एवं सर्वर के उपादान आदि शामिल हैं। उनके अनुसार इन घरेलू विनिर्माण सुविधाओं के बूते हमरा देश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बन जाएगा। मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि जल्द ही भारत में निर्मित यानी मेड इन इंडिया चिप भी बाजार में आएगा। वह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में और एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

श्री वैष्णव ने रेखांकित किया कि पिछले 11 वर्ष में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स के विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है। इसके बूते इलेक्ट्रॉनिक्स का घरेलू उत्पादन 11.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य का हो गया है। इसमें 3 लाख करोड़ रुपए मूल्य का निर्यात भी शामिल है। साथ ही इस क्षेत्र में 25 लाख लोग प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप में रोजगार पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में इलेक्ट्रॉनिक्स का समूचा इकोसिस्टम तेजी से बढ़ रहा है और एक-एक करके उनकी मूल्यवर्धन क्षमता बढ़ाई जा रही है। मंत्री महोदय ने विशेष उल्लेख किया कि भारत की डिजाइन श्रेष्ठता इसकी प्रमुख योग्यता है और सरकार अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को लगातार बढ़ावा देती रहेगी। उन्होंने इसका उदाहरण दिया कि आईआईटी मद्रास संरक्षित स्टार्ट अप उद्यम ने भारत के प्रथम माइक्रोकंट्रोलर को डिजाइन किया है। स्वदेशी माइक्रोकंट्रोलर का प्रयोग शीघ्र ही भारतीय उत्पादों में शुरू किया जाएगा। रेलवे के क्षेत्र में भारतीय विनिर्माता उच्चतम वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उत्पादित उपकरणों का यूरोपीय देशों को निर्यात कर रहे हैं।

श्री वैष्णव ने कहा आगे बताया कि चालू माली साल 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्शाती है की देश की अर्थव्यवस्था स्थिर, गतिशील और नवोन्मेष आधारित है। उन्होंने युवाओं से कड़े परिश्रम द्वारा आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत -2047 का सपना साकार करने में योगदान करने को कहा। उनके अनुसार पूरी दुनिया निगाहें भारत पर बड़ी उम्मीदों से लगी हुई हैं।

इस अवसर पर ऑप्टीमस इंफ्राकॉम लिमिटेड के चेयरमैन अशोक गुप्ता ने कहा,"यह मेक इन इंडिया दृष्टि एवं भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग के लिए ऐतिहासिक क्षण है। विश्व का सबसे बड़ा मोबाइल फोन बाजार होने के बावजूद टेम्पर्ड ग्लास के लिए भारत उसके आयात पर निर्भर था। इस कारखाने के साथ हम भारतीय एवं वैश्विक बाजार की सहायता के लिए श्रेष्ठतम गुणवत्ता उत्पाद वैश्विक पैमाने की विनिर्माण क्षमता में तैयार करने को उद्धत हैं। हमारी महत्वाकांक्षा है कि हरेक भारतीय मोबाइल फोन उपकरण प्रयोक्ता अपने फोन की स्क्रीन सुरक्षित करने के लिए मेक इन इंडिया टेम्पर्ड ग्लास का प्रयोग करे जो बीआईएस प्रमाणित एवं फॉग मार्क वाला हो।''

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन पंकज महेंद्रू ने कहा कि इस उत्पाद वर्ग की विनिर्माण प्रक्रिया में श्रम की प्रधानता है तथा भारत के लिए इसमें जबरदस्त अवसर है कि इसके द्वारा अपनी भारी घरेलू मांग को तो पूरा करे ही, साथ ही प्रमुख निर्यातक भी बने।

उच्च गुणवत्ता का विनिर्माण करके हम एमएसएमई के लिए जबरदस्त अवसर देख रहे हैं। साथ ही इससे रोजगार के अवसर भी बड़े पैमाने पर पैदा होने और हमारा निर्यात भी अधिक देशों तक होगा। इसके जरिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादानों के विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा। टेंपर्ड ग्लास के लिए यह अनुमानित है कि इसकी घरेलू माँग ही 50 करोड़ पीस की है जिसका खुदरा मूल्य करीब 20,000 करोड़ रुपए है। इसका अनुमानित वैश्विक बाजार 60 अरब डॉलर है।

आईआरसीटीसी की भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से पुरी, कोलकाता, गंगासागर यात्रा करने का सुनहरा मौका।

सूत्र/रे.स.ब्यू- इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआर-सीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। आईआरसीटीसी को स्टेशनों, ट्रेनों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करने एवं पेशेवर बनाने और प्रबंधित करने तथा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे की एक विस्तारित शाखा के रूप में स्थापित किया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लि० (आईआरसीटीसी) आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन वाया-गया, पुरी जगन्नाथ, कोणार्क मंदिर, कोलकाता, गंगासागर, बैजनाथ धाम, वाराणसी, अयोध्या की यात्रा का संचालन कर रहा है।

इस यात्रा के मुख्य आकर्षण निम्नवत हैं:
यात्रा गंतव्य - विष्णुपद मंदिर (गया), पुरी जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क मंदिर (उड़ीसा), कोलकाता, गंगासागर, बैजनाथ धाम (जसीडीह), काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी), राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, सरयू आरती (अयोध्या)।

श्रेणी अनुसार कुल बर्थो की संख्या - 767
- 02 एसी (कुल 49 सीटें)
- 03 एसी (कुल 70 सीटें)
- स्लीपर (कुल 648 सीटें)

उतरने/चढ़ने के स्टेशन- आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी।

यात्रा तिथि- दिनांक 13-09-2025 से 22-09-2025 (09 रात एवं 10 दिन)

सुविधाएँ - इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/नॉन-एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है।

इस यात्रा सेवा में LTC एवं EMI की सुविधा भी उपलब्ध है। ईएमआई की सुविधा आईआरसीटीसी पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर-सरकारी बैंकों से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। उक्त यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिए संपर्क करें।
9236391908, 8287930908,
8595924300, 9305111763,
8595924294, 8595924299,
8287930926, 8595924293

कोलकाता मेट्रो ने पकड़ी विकास की रफ्तार, सफर अब हुआ और आसान

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्‌घाटन कर विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक शहरी कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने कोलकाता मेट्रो नेटवर्क में लगभग 14 किलोमीटर नई लाइनें जोड़ने और सात नए स्टेशन शामिल करने की घोषणा की। ये सभी विकास कार्य कोलकाता के लोगों के लिए जीवन और यात्रा को और अधिक आसान बनाएंगे।

हावड़ा और सियालदह मेट्रो से जुड़े

प्रधानमंत्री ने 13.61 किलोमीटर लंबे नवनिर्मित मेट्रो नेटवर्क का उद्‌घाटन किया, जिससे देश के दो सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनें हावड़ा और सियालदहें अब मेट्रो से जुड़ गए हैं। उन्होंने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन का दौरा किया और वहां से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके अलावा, उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को भी हरी झंडी दी। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने स्वयं जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से जय हिंद विमानबंदर तक मेट्रो की सवारी भी की।

पश्चिम बंगाल में रेलवे को मिली नई गति

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल अब उन राज्यों में शामिल हो गया है जहाँ 100% रेलवे विद्युतीकरण का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने पुरुलिया और हावड़ा के बीच एक मेमू रेलगाड़ी की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की भी घोषणा की। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विभिन्न मार्गों पर नौ वंदे भारत और दो अमृत भारत रेलगाड़ियां चल रही हैं, जिससे राज्य के लोगों को तेज और आधुनिक यात्रा का अनुभव मिल रहा है।

कोलकाता मेट्रो का नया अध्याय, 9 लाख से अधिक यात्री करेंगे हर दिन सफर।

ग्रीन लाइन एस्प्लानेड से सियालदह (2.45 किमी)। यह सेक्शन शहर के लिए सबसे बड़ी राहत लेकर आया है। अभी हावड़ा और सियालदह जैसे दो बड़े रेलवे टर्मिनलों के बीच पहुँचने में सड़क से 40-45 मिनट तक लगते हैं। अब मेट्रो से यह सफर सिर्फ 11 मिनट में पूरा होगा। रोजाना लाखों यात्रियों के लिए यह समय बचत किसी वरदान से कम नहीं होगी।

दूसरी बड़ी उपलब्धि है येलो लाइन नोआपाड़ा से जय हिंद विमानबंदर (6.77 किमी)। अब एयरपोर्ट तक पहुँचने के लिए सड़क से यात्रा करने वालों को नया विकल्प मिलेगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री, एयरलाइन स्टाफ और एयरपोर्ट कर्मचारी सब तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव करेंगे। दमदम कैंटोनमेंट से इंटरचेंज सुविधा मिलने से पूरे शहर और प्रमुख रेलवे स्टेशनों तक सीधा कनेक्शन भी आसान हो जाएगा। एस्प्लानेड से एयरपोर्ट तक अब यह दूरी सिर्फ 30 मिनट में पूरी होगी।

तीसरी कड़ी है ऑरेंज लाइन हेमंत मुखोपाध्याय से बेलेघाटा (4.4 किमी)। यह विस्तार साइंस सिटी, बड़े अस्पतालों, स्कूलों और व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेगा। यात्रियों की संख्या यहाँ दोगुनी होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि बेलेघाटा से कवि सुभाष तक की यात्रा भी अब सिर्फ 32 मिनट में पूरी की जा सकेगी। इससे दक्षिण कोलकाता और पूर्वी कोलकाता के बीच सफर बेहद आसान हो जाएगा।

इन नई मेट्रो लाइनों से न सिर्फ कोलकाता बल्कि उत्तर दद्ध परगना और दक्षिण दद्ध परगना के यात्रियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। जिस दूरी को तय करने में पहले घंटों लग जाते थे, अब वही सफर कुछ ही मिनटों में पूरा होगा। शहर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुँचना अब पहले से कहीं अधिक सहज और तेज हो जाएगा।

बीकानेर-लालगढ़ रेलमार्ग के दोहरीकरण को मंजूरी, तीव्र और सुगम परिवहन की दिशा में बड़ा कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर पश्चिम रेलवे के महत्वपूर्ण रेल मार्ग बीकानेर ईस्ट केबिन से लालगढ़, 11.08 किलोमीटर रेल मार्ग के दोहरीकरण को मंजूरी प्रदान की गई है। श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भारत सरकार ने बीकानेर के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना को मंजूरी देकर क्षेत्रवासियों के लिए सौगात प्रदान की।

बीकानेर ईस्टॉकेबिन लालगढ़, 11.08 किलोमीटर रेल मार्ग का दोहरीकरण कार्य 278.63 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है। इस मार्ग के दोहरीकरण होने से लाइन क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी तथा अधिक ट्रेनों का संचालन किया जा सकेगा, साथ ही ट्रेनों की गति में भी वृद्धि होगी। इस रेल मार्ग के दोहरीकरण होने से अधिक माल लदान के परिवहन में मदद मिलेगी और क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

बीकानेर के जूनागढ़, गजनेर किला, देशनोक मंदिर तथा कैमल सफारी के लिए प्रतिवर्ष यहाँ भारी संख्या में पर्यटक आते हैं। बीकानेर में स्थित राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र भी आकर्षण का केंद्र है। बीकानेर जिले के खाजूवाला के निकट पाकिस्तान से लगने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा भी आती है, जिसके कारण इस क्षेत्र का सामरिक रूप से भी महत्व है। इस रेल मार्ग के दोहरीकरण से पर्यटन से जुड़े रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी तथा सैनिकों को आवागमन में भी सुविधा होगी। साथ ही बीकानेर स्टेशन पर 6 प्लेटफॉर्म पर बाहर से ट्रेनों के आवागमन के लिए 1 लाइन ही उपलब्ध रहती है, अब दोहरीकरण होने से बीकानेर से लालगढ़ की ओर 2 लाइन की उपलब्धता बनी रहेगी।

दिल्ली-बीकानेर रूट पर वंदे भारत ट्रेन को मिली मंजूरी, जल्द शुरू होगा परिचालन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिल्ली और बीकानेर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। रेलवे ने इस महत्वपूर्ण मार्ग पर नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन के लिए अपनी स्वीकृति दे दी है। इस मंजूरी को क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक सौगात के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि, ट्रेन के शुभारंभ की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन इस स्वीकृति के बाद परिचालन जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। यह आधुनिक और तेज गति वाली ट्रेन जब शुरू होगी, तो दैनिक यात्रियों के सफर को पहले से कहीं ज़्यादा सुगम, सुरक्षित और आरामदायक बनाएगी।

इस नई रेल सेवा से क्षेत्र में पर्यटन और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की प्रबल संभावना है। बेहतर कनेक्टिविटी से बीकानेर के स्थानीय उद्योगों और पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा।

इसके साथ ही, बीकानेर के रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य भी निरंतर जारी है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। यह मंजूरी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रयागराज-मिर्जापुर खंड में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए विविध तरह के अभियान चलता रहता है। सभी यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है।

इसी क्रम में दिनांक 25.08.2025 को मण्डल मुख्य टिकट निरीक्षक, श्री दिवाकर शुक्ला के सुपर विजन में एसपीजी टीम ने प्रयागराज-मिर्जापुर खंड में टिकट चेकिंग अभियान चलाया। यह टिकट चेकिंग अभियान 07 वाणिज्य कर्मियों एवं रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने साथ मिलकर चलाया एवं इस अभियान में प्रयागराज जंक्शन, मिर्जापुर व प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशनों पर कुल 10 गाड़ियों में टिकट चेकिंग की गई।

टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 109 यात्रियों को प्रभारित कर रु. 77450/- वसूल किए गए। जिसमें बिना टिकट यात्रा करने वाले 52 यात्रियों से रु. 50100/-, अनियमित यात्रा करने वाले 54 यात्रियों से रु. 25950/- तथा गंदगी फैलाने वाले 03 यात्रियों से रु. 400/- वसूल किए गए।

रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदांन में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें। रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है।

एसबीआई के साथ वेतन खाते बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को आकस्मिक मृत्यु के लिए ₹1 करोड़ का बढ़ाया बीमा कवरेज मिलेगा

भारतीय रेलवे और भारतीय स्टेट बैंक ने श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में रेलवे कर्मचारियों को बीमा लाभ बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत के दो प्रमुख संस्थानों - भारतीय रेलवे (आईआर), दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर माननीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार और एसबीआई के अध्यक्ष श्री सी.एस. सेटी उपस्थित रहे।

इस एमओयू के तहत, एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों के लिए बीमा कवरेज में काफी वृद्धि की गई है। आकस्मिक मृत्यु के मामले में, सीजीईजीआईएस के तहत कवर किए गए समूह ए, बी और सी कर्मचारियों के लिए क्रमशः ₹1.20 लाख, 60,000 और 30,000 के वर्तमान कवरेज की तुलना में बीमा लाभ बढ़ाकर 1 करोड़ कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, एसबीआई के साथ केवल एक वेतन खाता रखने वाले सभी रेलवे कर्मचारी अब किसी भी प्रीमियम का भुगतान करने या किसी भी चिकित्सा परीक्षा से गुजरने की आवश्यकता के बिना 10 लाख के प्राकृतिक मृत्यु बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे।

लगभग 7 लाख रेलवे कर्मचारियों के एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने के साथ, यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच देखभाल और रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है।

इस एमओयू के तहत कुछ प्रमुख मानार्थ बीमा कवर में शामिल हैं: रुपे डेबिट कार्ड पर 1.60 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस (मौत) कवर और 1.00 करोड़ तक का अतिरिक्तय, 1.00 करोड़ का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी कुल विकलांगता) कवरय और 80 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर।

दो प्रमुख संस्थाओं के बीच यह समझौता कर्मचारी-केंद्रित और कार्यबल को विशेष लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। विशेष रूप से समूह सी और फ्रंटलाइन रेलवे कर्मियों के लिए यह लाभदायक होगा।

बनारस स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का हुआ निरीक्षण, महाप्रबंधक ने विकास कार्यों की समीक्षा की।

यात्रियों की सुविधाओं पर फोकस, नए कंट्रोल रूम का हुआ उद्घाटन और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्वोत्तर रेलवे की तत्कानीन महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने 25 अगस्त को बनारस रेलवे स्टेशन का दौरा कर यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया और स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शाखाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की।

अपने दौरे के दौरान, महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने वाराणसी मंडल के नवीनीकृत मंडल नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन किया। इस आधुनिक नियंत्रण कक्ष के जरिए ट्रेनों के परिचालन की निगरानी और प्रबंधन को और बेहतर बनाया जा सकेगा, जिससे ट्रेनों के समयबद्ध संचालन में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही, 16 अगस्त से 31 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए महाप्रबंधक ने बनारस रेलवे स्टेशन परिसर में पौधा रोपण भी किया। यह कार्यक्रम रेलवे परिसरों में स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

घूमने का बना रहे हैं प्लान? उत्तर मध्य रेलवे ने लॉन्च की शानदार ई-बुक, अब पर्यटन होगा और भी आसान।

'द एनसीआर सागा' नाम की यह डिजिटल किताब यूपी, एमपी और राजस्थान के अनगिनत खूबसूरत स्थलों की जानकारी देगी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अगर आप उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश या राजस्थान के ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो उत्तर मध्य रेलवे (NCR) ने आपके लिए एक शानदार तोहफा पेश किया है। उत्तर मध्य रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक, श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने एक डिजिटल कॉफी टेबल बुक ''नेचर, हेरिटेज, स्पिरिचुअलिटी एंड बियोंड - द एनसीआर सागा'' का विमोचन किया, जो पर्यटकों के लिए एक संपूर्ण गाइड का काम करेगी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री जे. एस. लाकरा, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी और जनसंपर्क विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

यह ई-बुक उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार की गई है और इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को बढ़ावा देना है।

विमोचन के अवसर पर महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने कहा, ''यह पुस्तक निश्चित रूप से इन स्थानों का दौरा करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए एक वरदान साबित होगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशिकांत त्रिपाठी ने कहा, ''रेलवे केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह पर्यटन और सांस्कृतिक जुड़ाव का माध्यम भी है। यह पुस्तक पर्यटकों को हमारी विरासत से जुड़ने और देश की सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव करने के लिए प्रेरित करेगी।''

यह ई-बुक कहाँ मिलेगी?

यह उपयोगी और आकर्षक ई-बुक सभी के लिए उत्तर मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। यह पुस्तक पर्यटन प्रेमियों और इन क्षेत्रों में यात्रा करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक अमूल्य संसाधन साबित होगी।

इस किताब में आपके लिए क्या है खास?

यह सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि आपकी यात्र का सच्चा साथी है। इसमें आपको मिलेगा:

- **छिपे हुए खजाने:** किताब में न केवल प्रयागराज, आगरा, ग्वालियर जैसे प्रसिद्ध स्थलों की जानकारी है, बल्कि कई ऐसे अनछुए और कम ज्ञात पर्यटन स्थलों का भी जिक्र है जो घूमने लायक हैं।
- **आसान यात्र योजना:** हर पर्यटन स्थल के पास कौन-सा प्रमुख स्टेशन है और वहां तक कौन-सी ट्रेनें जाती हैं, इसकी पूरी जानकारी दी गई है, जिससे आप आसानी से अपना टूर प्लान कर सकते हैं।
- **विविधता का संगम:** किताब को 9 अध्यायों में बांटा गया है, जो रेलवे खंडों के अनुसार ऐतिहासिक किलों, इंजीनियरिंग के अद्भुत नमूनों, पवित्र आध्यात्मिक स्थलों और खूबसूरत प्राकृतिक परिदृश्यों को कवर करते हैं।
- **आसान उपलब्धता:** यह एक ई-बुक है जिसे आप उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट से आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

पीएम ने बिहार की रेल कनेक्टिविटी को दिया नया आयाम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत गया जंक्शन रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को हवाई अड्डे जैसी सुविधाएं मिल सकें। आज गया देश की प्रमुख रेल सेवाओं से जुड़ चुका है, जिसमें राजधानी, जन शताब्दी और स्वदेशी वंदे भारत ट्रेनें शामिल हैं। गया से सासाराम, प्रयागराज और कानपुर होते हुए दिल्ली तक की सीधी कनेक्टिविटी बिहार के युवाओं और उद्यमियों के लिए विकास के नए द्वार खोल रही है।

इसी क्रम में, बेहतर संपर्क के लिए एक और बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर 8.15 किलोमीटर लंबे औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन किया है। यह पुल गंगा नदी पर 1.86 किलोमीटर लंबा 6-लेन का पुल है, जिसे ₹1,870 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह पुल पटना के मोकामा और बेगूसराय के बीच सीधा संपर्क स्थापित करेगा, जिससे पुराने और जर्जर राजेंद्र सेतु पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। इस पुल से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच की दूरी 100 किलोमीटर से ज्यादा कम हो जाएगी, जिससे भारी वाहनों को लगने वाला समय और ईंधन दोनों बचेगा, और पूरे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी।

इन सभी प्रयासों के साथ, रेलवे ने गया की कनेक्टिविटी को और भी मजबूत करने के लिए दो नई ट्रेनों की शुरुआत की है। पहली, अमृत भारत एक्सप्रेस जो गया और दिल्ली के बीच चलेगी, जिससे यात्रियों को आधुनिक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा। दूसरी, बौद्ध सर्किट ट्रेन जो वैशाली और कोडरमा के बीच चलेगी। यह ट्रेन बौद्ध धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों को आपस में जोड़ेगी, जिससे इस क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को एक नई दिशा मिलेगी और यात्रियों के लिए यात्रा और भी सुविधाजनक हो जाएगी।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बन रहे होल्डिंग एरिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 29 अगस्त, 2025 को माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एक कार्यक्रम में शामिल होने नई दिल्ली स्टेशन पहुँचे। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में बन रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया और वहाँ मौजूद अधिकारियों को होल्डिंग एरिया का काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

त्योहारों के दौरान, जब यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है, यात्रियों के सुचारू प्रबंधन के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर के अजमेरी गेट की ओर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। होल्डिंग एरिया को तीन कार्यात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा।

प्री-टिकटिंग एरिया: 1950 वर्ग मीटर इस जगह पर व्यस्त समय में लगभग 2700 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकटिंग एरिया: 2288 वर्ग मीटर इसमें यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए 3100 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकट-पश्चात क्षेत्र: 1570 वर्ग मीटर इसमें लगभग 1350 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है, जिससे कतार में लगने, सुरक्षा जाँच और सामान की स्कैनिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

इस समर्पित होल्डिंग क्षेत्र में यात्रियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी:

- 22 टिकट काउंटर
- 2 शौचालय ब्लॉक
- जनसंबोधन प्रणाली
- सूचना के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड
- एआई आधारित निगरानी कैमरे
- सामान स्कैनर
- यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए साइनेज
- मेट्रो कनेक्टिविटी से एकीकृत

वर्तमान में, इस होल्डिंग क्षेत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस निर्माण के दौरान एटीएम काउंटरों को स्थानांतरित करना, दो इलेक्ट्रिक हाईमास्ट को स्थानांतरित करना, दो मोबाइल टावरों को हटाना, प्रीपेड टैक्सी स्टैंड को स्थानांतरित करना और दिल्ली पुलिस केबिन को स्थानांतरित करना जैसे कई चुनौतीपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत अंतरराज्यीय गिरोह के 05 आरोपी गिरफ्तार - 15 लाख से अधिक का माल बरामद।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 27 अगस्त, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर सेंट्रल ने राजकीय रेलवे पुलिस/कानपुर सेंट्रल एवं डिटेक्टिव विंग के साथ मिलकर कानपुर सेंट्रल परिक्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान में अंतरराज्यीय गिरोह के 05 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 19 मोबाइल फोन, 50,000/- रुपये नकद, 692 ग्राम चांदी के जेवरात एवं 19 ग्राम सोने के जेवरात बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये से अधिक है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम एजाज पुत्र अलाउद्दीन, उम्र 42, इबरार पुत्र अलाउद्दीनय उम्र 30 वर्षय जावेद पुत्र स्वर्गीय रहीस, उम्र 28 वर्षय शाकिर पुत्र अहमद हुसैन, उम्र 38 वर्षय हैदर अली पुत्र अब्दुल रज्जाक, उम्र 25 वर्ष हैं। यह सभी आरोपी बिहार राज्य के जिला अररिया के निवासी हैं, जो कानपुर सेंट्रल स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्र में किराए के कमरों में ठहरकर यात्रियों का सामान चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते थे।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यात्रियों का बैग चोरी कर गिरोह के अन्य सदस्यों को सौंप देते थे तथा धीमी गति से चलती गाड़ियों में खिड़की के रास्ते मोबाइल/बैग चोरी एवं छिनैती की घटनाओं को भी अंजाम देते थे।

इस अभियान को सफल बनाने वाली टीम में रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर सेंट्रल के सहायक उप निरीक्षक चंद्रप्रकाश सिंह, हरपाल सिंह यादव, कांस्टेबल, संतोष कुमार सिंह, अजय कुमार, अजीत कुमार, डिटेक्टिव विंग से सहायक उप निरीक्षक, जयप्रकाश पाठक तथा राजकीय रेलवे पुलिस/कानपुर सेंट्रल से उप निरीक्षक, अर्पित तिवारी, धीरेंद्र प्रताप सिंह, संदीप कुमार, मोहम्मद खालिद खान, अरविंद कुमार, अजीत प्रताप, सुनील कुमार एवं टीम ने अहम भूमिका अदा की।

गुजरात में दौड़ेगी विकास की रेल!

पीएम मोदी ने दी 1,400 करोड़ की रेलवे सौगात - उत्तर गुजरात के 5 जिलों को मिलेगा सीधा लाभ, बढ़ेगी कनेक्टिविटी और रोजगार के अवसर।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त, 2025 को अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम से 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया।

इन परियोजनाओं से मुख्य रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों की तस्वीर बदलेगी। इन नए रेल नेटवर्कों से न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि औद्योगिक विकास और माल ढुलाई (लॉजिस्टिक्स) को भी नई गति मिलेगी। सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर भी पैदा होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की, उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणा पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोल कड़ी कटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजी रणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है। ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबाद दिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन सेवा कड़ी से एवं बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ किया। कटोसन- साबरमती रोड नई ट्रेन सेवा न केवल पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। इसी तरह, बेचराजी से शुरू होने वाली कार-लोडेड मालगाड़ी राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन दोनों रेल सेवाओं से क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और उच्चगति वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इससे न केवल यात्रा समय में कमी आएगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ये सभी रेलवे परियोजनाएं विकसित गुजरात से विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

बेचराजी–रणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है।

दिवाली और छठ के लिए 12,000 से अधिक विशेष रेलगाड़ियां, 13 से 26 अक्टूबर के बीच आगे की यात्रा और 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच वापसी यात्रा की टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूटः श्री अश्विनी वैष्णव

बिहार को दिल्ली, अमृतसर और हैदराबाद से जोड़ने वाली चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियां चलेंगी

पूर्णिया और पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस चलेगी, वैशाली, हाजीपुर, सोनपुर, पटना, राजगीर, गया और कोडरमा को जोड़ने वाली बौद्ध सर्किट ट्रेन चलाई जाएगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, केंद्रीय मंत्री श्री ललन सिंह और सांसद श्री संजय कुमार झा के साथ विचार-विमर्श के बाद आगामी दिवाली और छठ पर्व के लिए विशेष व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्रियों को उनकी वापसी यात्रा के दौरान भी सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि दिवाली और छठ के लिए 12,000 से ज्यादा विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्रियों को वापसी यात्रा में कोई परेशानी न हो।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि 13 से 26 अक्टूबर के बीच आगे की यात्रा और 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच वापसी यात्रा करने वाले यात्रियों को वापसी टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह पहल इसी त्योहारी सीजन में लागू की जाएगी और इससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ होगा।

इसके अतिरिक्त, गया से दिल्ली, सहरसा से अमृतसर, छपरा से दिल्ली और मुजफ्फरपुर से हैदराबाद के लिए चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की जाएंगी। मंत्री ने घोषणा की कि भगवान बुद्ध से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों और विशेष रूप से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक नई सर्किट ट्रेन भी शुरू की जाएगी, जो वैशाली, हाजीपुर, सोनपुर, पटना, राजगीर, गया और कोडरमा तक जाएगी।

बक्सर-लखीसराय रेल खंड को चार-लाइन कॉरिडोर में विस्तारित किया जाएगा, जिससे अधिक रेलगाड़ियाँ चल सकेंगी। पटना के चारों ओर एक रिंग रेलवे प्रणाली विकसित की जाएगी। सुल्तानगंज और देवघर को रेल मार्ग से जोड़ा जाएगा। पटना और अयोध्या के बीच भी एक नई रेल सेवा शुरू की जाएगी। श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि लौकहा बाजार में एक वाशिंग पिट सुविधा स्थापित की जाएगी और बिहार में कई नए स्वीकृत रोड ओवरब्रिजों पर काम किया जाएगा।

भारतीय सेना प्रमुख द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान झांसी मंडल के अधिकारियों के सहयोग / समन्वय की सराहना

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय रेल द्वारा दिए गए सराहनीय सहयोग के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की है। एक औपचारिक पत्र में सेना ने राष्ट्रीय आपातकालीन परिस्थितियों में हमेशा सहयोग देने वाली भारतीय रेल के इस योगदान को विशेष रूप से उल्लेखित किया।

सेना ने विशेष रूप से भारतीय रेल की त्वरित प्रतिक्रिया का उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत सीएडी पुलगांव से आवश्यक सेना सामग्री की खेप को मात्र 24 घंटे के भीतर प्रेषित करने हेतु रेक उपलब्ध कराया गया। इस उत्कृष्ट समन्वय, तालमेल और परस्पर विश्वास ने सैन्य नागरिक सहयोग का एक नया मानक स्थापित किया है।

जहाँ पूरी टीम प्रशंसा की पात्र है, वहीं कुछ अधिकारियों की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए सेना ने उनके योगदान को सराहा है, जिन्होंने बलों की आवाजाही को सुगम बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। जिनमें झांसी मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री जे संजय कुमार एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री राहुल शुक्ला का नाम प्रमुखता से लिया गया।

भारतीय सेना ने कहा कि भारतीय सेना और भारतीय रेल के बीच गहरे स्तर का सहयोग राष्ट्रीय तैयारी का मूलाधार है। सेना ने भारतीय रेल को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य के सभी प्रयासों में निरंतर प्रगति और उत्कृष्टता की आशा व्यक्त की।

श्री नरेश पाल सिंह ने किया उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल के वर्ष 1988 बैच भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री नरेश पाल सिंह ने दिनांक 01 सितंबर 2025 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। यह पद निवर्तमान महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चंद्र जोशी के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुआ था। श्री सिंह को यह उनके बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के महाप्रबंधक के दायित्व के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार है।

श्री सिंह ने अपने स्नातक की उपाधि आईआईटी, रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 1987 प्राप्त की थी। श्री नरेश पाल सिंह ने रेलवे के कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवा देते हुए असाधारण उपलब्धियां हासिल की है।

अपने लंबे केरियर में इन्होंने मध्य रेलवे के मंडलों में विभिन्न क्षमताओं जैसे लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सामान्य सेवाएं आदि में कार्य किया है । उन्होंने मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर/रोलिंग स्टॉक, अपर मंडल रेल प्रबंधक/संचालन, मुंबई मंडल के रूप में भी उल्लेखनीय सेवा प्रदान की है। साथ ही, मुंबई रेल विकास निगम में मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना के रूप में भी कार्य किया। बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्य भार ग्रहण करने से पूर्व, वे 01.09.2022 से मध्य रेलवे, मुंबई में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे।

नवम्बर 2024 से महाप्रबंधक/बरेका का कार्यभार ग्रहण के उपरांत बनारस रेल इंजन कारखाना ने लोकोमोटिव उत्पादन के क्षेत्र में अनेक मील के पत्थर स्थापित किये हैं। इनके नेतृत्व में बरेका द्वारा निर्मित एयरोडायनेमिक

WAP-7 लोको ने तकनीकी उत्कृष्टता का नया उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं रेल ट्रैक पर सोलर पैनल लगाकर हरित ऊर्जा की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी श्री सिंह के नेतृत्व में बरेका ने उल्लेखनीय कार्य किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बरेका ने 477 लोको निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इसके पूर्व श्री नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में मध्य रेलवे में इलेक्ट्रिकल, डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन एवं सामान्य सेवा परिसंपत्तियों के रखरखाव तथा संचालन से संबंधित कई अभिनव परियोजनाओं को शुरू किया गया था। एक प्रमुख परियोजना 2X25KV ट्रैक्शन सिस्टम में पहली बार ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) मास्ट पर ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (OPGW) लगाकर एरियल अर्थ कंडक्टर को प्रतिस्थापित किया गया। इस परियोजना से भारतीय रेल को कई लाभ प्राप्त होंगे। यह कवच (Protection) एवं सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन (S&T) आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक विश्वसनीय संचार पथ प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त ऑप्टिक फाइबर कोर के माध्यम से गैर-किराया राजस्व (Non & Fare Revenue) में भी वृद्धि होगी। रेल नेटवर्क में संचार व्यवस्था और भी मजबूत व सुरक्षित होगी। ग्राउंड मेकिंग टेक्नोल जी से भारतीय रेल को करोड़ों रुपये की प्रतिवर्ष बचत होगी।

यह परियोजना न केवल तकनीकी उन्नति का प्रतीक है, बल्कि भविष्य के लिए एक ऐसा कदम है जो भारतीय रेल को अधिक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाएगी। इसके अतिरिक्त, इनके नेतृत्व में मध्य रेलवे में ट्रैक्शन पावर के लिए 10 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट एवं 20X4 मेगावाट की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रतिस्थापित किया गया।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) की सोसाइटी की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की

सूत्र/रे.स.ब्यू-केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने 20 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर की सोसाइटी की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

श्री जाधव ने कहा कि उनका लक्ष्य एनआईए को उन्नत अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र बनाना है। उन्होंने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष क्षेत्र ने ऐतिहासिक प्रगति की है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक केंद्र की भारत में स्थापना को भारतीय ज्ञान प्रणालियों की वैश्विक मान्यता का प्रतीक बताया।

श्री जाधव ने एनआईए के प्रदर्शन की सराहना की और मानकीकृत अनुसंधान, संकाय विकास, आधुनिक पाठ्यक्रम और मजबूत बुनियादी ढाँचे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय एनआईए को आयुर्वेद का गौरव बढ़ाने के लिए हर आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनआईए की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

- भारत में आयुष क्षेत्र का पहला मानद विश्वविद्यालय होना।
- प्रतिवर्ष 4 लाख से अधिक ओपीडी और 25,000 से अधिक आईपीडी रोगियों का उपचार।
- 12 जिलों में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविरों का आयोजन।

- जीएमपी-प्रमाणित फार्मेसी में 100 से अधिक आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन।
- एनएएसी 'ए' ग्रेड, एनएबीएच और एनएबीएल जैसे पुरस्कार प्राप्त करना।
- 15 देशों के छात्रों का यहाँ अध्ययन करना।
- हाल ही में एनसीआईएसएम द्वारा भारत का सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक संस्थान घोषित होना।
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उपलब्धियाँ।

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली में ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन 2025 की अध्यक्षता की

सूत्र/रे.स.ब्यू-ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन नई दिल्ली में ''परंपरागत प्रथाओं और नवाचार को जोड़ना'' विषय पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्री प्रतापराव जाधव ने की।

श्री जाधव ने गणेश उत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विश्व की लगभग आधी आबादी, एक तिहाई वैश्विक जीडीपी और विश्व व्यापार के पाँचवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देशों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक व्यापक आयुष इकोसिस्टम विकसित किया है, जिसमें 1,000 से अधिक आयुष कॉलेज शामिल हैं।

उन्होंने आयुष प्रणालियों की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति का उल्लेख किया, जिसमें ब्राजील में आयुर्वेदिक चिकित्सकों का समुदाय, रूस के स्वास्थ्य ढांचे में आयुर्वेद का समावेश और चीन में पारंपरिक चिकित्सा की प्रगति शामिल है।

श्री जाधव ने आयुष उत्पादों के लिए मजबूत अंतर-ब्रिक्स सहयोग और सामंजस्यपूर्ण ढांचे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे बाजारों का विस्तार होगा और भारत स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार और न्यूट्रास्युटिकल अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया।

मंत्री ने यह भी बताया कि आयुष मंत्रालय ने 25 देशों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे पारंपरिक चिकित्सा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। उन्होंने ब्रिक्स देशों से इस शिखर सम्मेलन का उपयोग कर नए गठबंधन बनाने का आग्रह किया।

आयुर्वेद प्रकृति के साथ सामंजस्य में निहित एक जीवन विज्ञान है: केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा- आयुर्वेद दिवस 2016 से वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत सरकार द्वारा मार्च 2025 में जारी एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है कि वर्ष 2016 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार, आयुर्वेद दिवस हर वर्ष एक निश्चित तिथि अर्थात 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इससे पहले, आयुर्वेद दिवस धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) को मनाया जाता था। इस निश्चित तिथि निर्धारित करने का निर्णय एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक है, जो आयुर्वेद को एक सार्वभौमिक कैलेंडर पहचान प्रदान करता है और वैश्विक स्तर पर इसकी व्यापक भागीदारी को सक्षम बनाता है।

इस वर्ष के उत्सव का विषय- 'लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद' की घोषणा करते हुए, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि आयुर्वेद केवल एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और पर्यावरण के बीच सामंजस्य के सिद्धांत पर आधारित जीवन का विज्ञान है। 23 सितंबर की आयुर्वेद दिवस के रूप में घोषणा के साथ, भारत ने आयुर्वेद को एक वैश्विक कैलेंडर पहचान दी है। 2025 का विषय 'लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद' वैश्विक कल्याण और एक स्वस्थ ग्रह के लिए आयुर्वेद की पूरी क्षमता का दोहन करने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि 2016 में अपनी स्थापना के बाद से, आयुर्वेद दिवस भारत के पारंपरिक ज्ञान का उत्सव मनाने वाले एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है। प्रथम अखिल भारतीय एनएसएसओ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि आयुर्वेद ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली उपचार प्रणाली है। 2025 का विषय समग्र स्वास्थ्य और पारिस्थिति की संतुलन को आगे बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

9वां आयुर्वेद दिवस (2024) भारत की स्वास्थ्य सेवा यात्रा में एक उपलब्धि रहा है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली के दूसरे चरण का उद्घाटन किया, आयुर्वेद में चार उत्कृष्टता केंद्रों का शुभारंभ किया और लगभग 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली अन्य स्वास्थ्य संबंधी पहलों के साथ-साथ राष्ट्रव्यापी ''देश का प्रकृति परीक्षण अभियान'' का शुभारंभ किया।

इस गति को आगे बढ़ाते हुए, आयुर्वेद दिवस 2025 को केवल एक औपचारिक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि आयुर्वेद को समकालीन वैश्विक चुनौतियों जैसे जीवनशैली संबंधी विकार, जलवायु से जुड़े रोग और तनाव प्रबंधन के समाधान के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इस समारोह में जागरूकता अभियान, युवा जुड़ाव कार्यक्रम, स्वास्थ्य परामर्श और आयुष मंत्रालय एवं उसके संस्थानों द्वारा समन्वित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 2024 में आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन किया गया और यह आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करती हैं।

त्यौहार विशेष रेलगाड़ी

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी का संचालन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 06529/06530 एसएमवीटी बेंगलुरु–गोमती नगर–एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस विशेष (साप्ताहिक) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 06529		स्टेशन	गाड़ी सं. 06530	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:00	एसएमवीटी बेंगलुरु	08:15	----
01:35	01:40	वाराणसी	22:10	22:20
11:30	----	गोमती नगर	----	12:20

चलने के दिन: **06529 एसएमवीटी बेंगलुरु** से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 25.08.2025 से 03.11.2025 तक तथा **06530 गोमती नगर** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 29.08.2025 से 07.11.2025 तक।

ठहराव: तूमकूर, अरसीकेरे जं., कडूर, दावणगेरे, हावेरी, एसएसएस हुब्बल्लि जं., धारवाड, बेलगावि, घाटप्रभा, मिरज जं., सांगली, कराड, सातारा, पुणे जं., दौंड कॉर्ड लाइन, मनमाड जं., भुसावल जं., खंडवा जं., रानी कमलापति भोपाल, बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., उरई, पुखरायाँ, गोविन्दपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, औंड़िहार जं., मऊ जं., बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती और गोंडा जं. स्टेशन।

स्थान: प्रथम वाता., वाता. 2 टीयर, वाता. 3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए
कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें
अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in
अथवा NTES ऐप देखें।

2561/2025

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय रेलवे रिकॉर्ड 380 गणपति स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का संचालन करेगा

भारतीय रेलवे ने क्षेत्रवार गणपति स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स के संचालन की घोषणा की

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने 2025 के लिए 380 गणपति स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स (फेरों) की घोषणा की है, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इस कदम का उद्देश्य त्योहार के मौसम में श्रद्धालुओं और यात्रियों को आरामदायक और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है। वर्ष 2023 में कुल 305 गणपति स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का संचालन किया था जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 358 हो गई।

महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में भारी त्योहारी यात्रा मांग को देखते हुए मध्य रेलवे सबसे अधिक 296 सेवाएं संचालित करेगा। पश्चिम रेलवे 56, कोंकण रेलवे (केआरसीएल) 6, और दक्षिण पश्चिम रेलवे 22 गणपति स्पेशल फेरों का संचालन करेगा।

कोंकण रेलवे पर चलने वाली गणपति स्पेशल ट्रेनों के पड़ाव कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वार्मने, करंजडी, विन्हेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलुन, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव रोड, ककावली, सिंधुदुर्ग, कुदाल, जराप, सावंतवाड़ी रोड, मदुरे, थिविम, करमाली, मडगांव जंक्शन, कारवार, गोकामा रोड, कुमता, मुर्देश्वर, मूकाम्बिका रोड, कुंडापुरा, उडुपी, मुल्की और सुरथकल में बनाए गए हैं।

गणपति पूजा 27 अगस्त से 6 सितंबर 2025 तक मनाई जाएगी। त्योहारी भीड़ को पूरा करने के लिए, गणपति स्पेशल ट्रेनें 11 अगस्त 2025 से चल रही हैं, और जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहा है, सेवाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है।

स्पेशल ट्रेनों का विस्तृत कार्यक्रम आईआरसीटीसी की वेबसाइट, रेलवन ऐप और कंप्यूटरीकृत पीआरएस पर उपलब्ध है। भारतीय रेलवे ने कहा है कि वह यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर त्योहारों के दौरान जब मांग अत्यधिक बढ़ जाती है।

भारत ने मुंबई में डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ क्षेत्रीय कार्यशाला में हर्बल जीएमपी नेतृत्व को दर्शाया

सूत्र/रे.स.ब्यू-आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) और विश्व स्वास्थ्य संगठन-दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ) द्वारा आयोजित हर्बल औषधियों के लिए डब्ल्यूएचओ की अच्छी विनिर्माण प्रणालियों (जीएमपी) पर चार दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला मुंबई में संपन्न हुई।

इस कार्यशाला में भूटान, थाईलैंड, श्रीलंका और नेपाल सहित विभिन्न देशों के 19 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और भारतीय विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक हर्बल औषधि गुणवत्ता मानकों को मजबूत करना था।

कार्यशाला के दौरान 11 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें डब्ल्यूएचओ-जीएमपी दिशानिर्देश, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, उत्तम हर्बल प्रसंस्करण पद्धतियां (जीएच-पीपी), और उत्तम कृषि एवं संग्रहण पद्धतियां (जीएसीपी) जैसे विषयों पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए, उन्हें इमामी के डब्ल्यूएचओ-जीएमपी-प्रमाणित विनिर्माण संयंत्र और झंडू फाउंडेशन फॉर हेल्थकेयर के फार्मों का दौरा कराया गया।

सीसीआरएएस के महानिदेशक, प्रो. रविनारायण आचार्य ने भारत की प्रतिबद्धता पर बल दिया कि वह पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक गुणवत्ता प्रोटोकॉल के साथ जोड़कर हर्बल दवाओं की वैश्विक स्वीकृति का समर्थन करेगा। वहीं, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ के डॉ. पवन गोदटवार ने हर्बल दवाओं के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा मानक स्थापित करने में भारत की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला। यह कार्यशाला क्षेत्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान ने प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया और विकसित भारत /2047 के विजन के अनुरुप डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने हेतु अपनी आधिकारिक वेबसाइट आरंभ की

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में स्वायत्त संगठन, सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट www.spniwcd.wcd.gov.in आरंभ की है। यह प्रशिक्षण के डिजिटलीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिक्षण सामग्री और वीडियो सुलभ कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस वेबसाइट का औपचारिक शुभारंभ 29 अगस्त 2025 को दोपहर 12:30 बजे महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस वेबसाइट का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए डिजिटलीकरण को आधारशिला के रूप में महत्व दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह पोर्टल ज्ञान, अनुसंधान और संसाधनों के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूती मिलेगी।

सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान (एसपीएनआईडब्ल्यूसीडी) का डिजिटल पोर्टल पहुँच और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन की गई कई विशेषताओं से सुसज्जित है। यह ई-लर्निंग मॉड्यूल प्रदान करता है जो उपयोगकर्ताओं को अपनी गति से अपने कौशल और ज्ञान को निखारने में सक्षम बनाता है, साथ ही सुरक्षित भंडारण, त्वरित पुनर्प्राप्ति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों व शोध सामग्रियों तक आसान पहुँच के लिए ई-आर्काइव और एकीकृत डिजिटल लाइब्रेरी भी प्रदान करता है। यह रीयल-टाइम डेटा के लिए डैशबोर्ड प्रशिक्षण कार्यक्रमों, योजनाओं और संस्थागत गतिविधियों पर लाइव अपडेट प्रदान करता है, जबकि ऑनलाइन पंजीकरण और अपॉइंटमेंट प्रणाली बाल मार्गदर्शन केंद्र (सीजीसी), बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा (एजीएससी), राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव और एनसीएफ के तहत सेवाओं तक पहुँच को आसान बनाती है। इस प्लेटफॉर्म में निरंतर सुधार के लिए उपयोगकर्ता सुझावों को प्राप्त करने के लिए इंटरैक्टिव फीडबैक तंत्र और नया, उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजाइन शामिल है जो सभी के लिए सहज नेविगेशन सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, इसमें मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 को कवर करने वाले संसाधनों का व्यापक भंडार है, साथ ही बाल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, पोषण और सांख्यिकीय आंकड़ों पर समर्पित अनुभाग भी हैं।

इस पहल ने सरकार के इस संकल्प की पुष्टि की है कि महिला एवं बाल विकास से संबंधित जानकारी और सेवाएँ सभी के लिए सुलभ हों, जिससे समावेशी, सशक्त और डिजिटल रूप से सक्षम विकसित भारत के निर्माण में योगदान मिले।

फ्लाई ऐश प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेलवे और एनटीपीसी नोएडा में प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाए

रेलवे की आकर्षक माल ढुलाई रियायतों से सतत् फ्लाई ऐश परिवहन को बढ़ावा मिला

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय और एनटीपीसी ने 25 अगस्त 2025 को नोएडा स्थित पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में फ्लाई ऐश के उपयोग और परिवहन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में फ्लाई ऐश उत्पादक, उपयोगकर्ता, ट्रांसपोर्टर और नीति निर्माता, भारत में स्थायी फ्लाई ऐश प्रबंधन हेतु रणनीति पर चर्चा और निर्माण के लिए एक साथ एक मंच पर आए।

भारत ने 2024-25 में 340.11 मिलियन टन फ्लाई ऐश उत्पन्न की, जिसमें से 332.63 मिलियन टन का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया। रेलवे न केवल परिवहन का एक हरित और टिकाऊ साधन प्रदान कर रहा है, बल्कि आकर्षक माल ढुलाई रियायतों के जरिए एक किफायती विकल्प भी दे रहा है। विस्तार की अहम संभावनाओं के साथ, रेलवे इस राष्ट्रीय मिशन में और भी बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, उत्पन्न कुल फ्लाई ऐश का 32% सड़कों और फ्लाईओवरों के निर्माण में उपयोग किया गया, इसके बाद सीमेंट उद्योग में 27% और ईंटों और टाइलों के निर्माण में 14% का इस्तेमाल किया गया (एनटीपीसी, 2025)। बैकफिलिंग और माइन फिलिंग में क्रमशः करीब 11% और 10% का योगदान रहा। कृषि क्षेत्र और रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) में यह उपयोग 1% से 2% के बीच दर्ज किया गया।

यह सम्मेलन सीमेंट निर्माण, सड़क निर्माण, माइन बैकफिलिंग, ईंट उत्पादन और अन्य निर्माण सामग्री में फ्लाई ऐश के उपयोग को अनिवार्य और बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों के लिहाज से और भी अहम था। ये पहल एक चक्रीय अर्थव्यवस्था, लागत में दक्षता और पर्यावरण स्थिरता के सिद्धांतों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ताप विद्युत उत्पादन का एक प्रमुख उप-उत्पाद, फ्लाई ऐश, एक चुनौती और अवसर दोनों पेश करता है। एक ओर जहाँ इसके सुरक्षित और टिकाऊ प्रबंधन किए जाने की जरुरत है, वहीं दूसरी ओर यह बुनियादी ढाँचे और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में भी शानदार क्षमता रखता है। रेल मंत्रालय, एनटीपीसी और अन्य प्रमुख हितधारकों के सहयोग से, फ्लाई ऐश के बड़े पैमाने पर परिवहन और प्रभावी उपयोग के लिए नए समाधान विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह सम्मेलन साझेदारी को बढ़ावा देने, एक दूसरे की गहन समझ को साझा करने और देश भर में फ्लाई ऐश के स्थायी उपयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विचार-विमर्श से ऐसी कार्यान्वयन योग्य रणनीतियाँ सामने आने की उम्मीद है, जो स्वच्छ, हरित और अधिक संसाधन-कुशल विकास के पक्ष में होंगी।

इस सम्मेलन में विद्युत मंत्रालय के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद, रेल मंत्रालय के सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) श्री हितेंद्र मल्होत्रा, एनटीपीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह और विद्युत मंत्रालय के अपर सचिव श्री पीयूष सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस कार्यक्रम का आयोजन और विपणन, रेल मंत्रालय के अपर सदस्य (विपणन एवं व्यवसाय विकास) डॉ. मनोज सिंह के नेतृत्व में किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 126.57 किमी. ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग कमीशन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- यात्रियों की मांग के अनुरूप ट्रेनों के सुगम परिचालन हेतु भारतीय रेल पर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर के कुशल मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल खंडों का दोहरीकरण, तीसरी लाइन, नई रेल लाइन, स्टेशनों के पुनर्विकास के साथ ही ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है।

वर्तमान वित्त वर्ष में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोविंदनगर-टिनिच-गौर-बभनान (24.64 किमी.) खंड की ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की कमीशनिंग का कार्य 19 अगस्त, 2025 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। कमीशनिंग के उपरांत अप साइड से पहली यात्री ट्रेन 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस इस खंड से चलाई गई। यह कार्य बहुत ही सुगम तरीके से बिना किसी ट्रेन परिचालन को प्रभावित किए सम्पन्न किया गया। इसके साथ ही पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 126.57 रूट किमी. ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो इस रेलवे के लिए विशेष उपलब्धि है।

गोविंदनगर-बभनान खंड के ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा होने पर लखनऊ मंडल में डोमिंगढ़ से बभनान तक 90.36 किमी. तथा वाराणसी मंडल में कुसम्ही से देवरिया सदर तक 36.21 किमी. ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा हो चुका है। इस कार्य के पूर्ण होने से अधिक ट्रेनों का संचलन संभव हुआ है, साथ ही लाइन क्षमता में वृद्धि के साथ ही साथ ट्रेनों के समय-पालन में भी सुधार होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग सिस्टम की शुरुआत गत वित्त वर्ष 2024-25 के आरंभ में जगतबेला-मगहर (14.65 किमी.) खंड की कमीशनिंग के साथ हुई, जिसके बाद लगातार आगे बढ़ते हुए गत वित्त वर्ष के अंत तक इस रेलवे ने 100 किमी. ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली पूरा करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त किया था। ऑटोमैटिक खंडों पर ट्रेनें सुगमतापूर्वक एवं संरक्षित तरीके से चल रही हैं।

यात्रियों की सुविधा हेतु हुबली-भगत की कोठी (जोधपुर)-हुबली स्पेशल रेलसेवा का संचालन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु हुबली-भगत की कोठी (जोधपुर)-हुबली स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 07359, हुबली-भगत की कोठी (जोधपुर) स्पेशल रेलसेवा दिनांक 28.09.25 से 26.10.25 तक (05 ट्रिप) हुबली से प्रत्येक रविवार को 19.30 बजे रवाना होकर मंगलवार को 05.30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07360, भगत की कोठी-हुबली स्पेशल रेलसेवा दिनांक 30.09.25 से 28.10.25 तक (05 ट्रिप) भगत की कोठी से प्रत्येक मंगलवार को 07.50 बजे रवाना होकर बुधवार को 15.15 बजे हुबली पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में धारवाड़, बेलगावी, घटप्रभा, मिरज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, कल्याण, बसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, महेसाना, पालनपुर, आबूरोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़ व लूणी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 02 सेकंड एसी, 16 थर्ड एसी, 02 पावरकार डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे ट्रेन के समय और अन्य संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 139, रेल मदद मोबाइल ऐप या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का उपयोग करें।

Scan the Code
for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

युवा संसद कार्यक्रम में पांच लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए

सूत्र/रे.स.ब्यू- संसदीय कार्य मंत्रालय मंत्रालय के युवा संसद कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों, विश्वविद्यालयों/कॉलेजों और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के छात्रों के लिए विभिन्न युवा संसद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें अब तक पांच लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया है। इसके अलावा नागरिकों की व्यापक भागीदारी के लिए जिसमें छात्रों को भी शामिल किया गया है, विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों के लिए एक राष्ट्रीय युवा संसद योजना (एनवाईपीएस) का वेब-पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से एक लाख से ज्यादा नागरिक इसमें हिस्सा ले चुके हैं। देश के सभी शैक्षणिक संस्थान/समूह/नागरिक/छात्र युवा संसद बैठकें आयोजित करने के लिए "संस्थागत भागीदारी" और "समूह भागीदारी" के माध्यम से पोर्टल में भाग लेने के लिए पात्र हैं और 'भारतीय लोकतंत्र का क्रियान्वयन' विषय पर आधारित प्रश्नोत्तरी में "व्यक्तिगत भागीदारी" के माध्यम हिस्सा लेने के पात्र हैं। युवाओं की संसद कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना, अनुशासन की स्वस्थ आदतें विकसित करना, दूसरों के विचारों के प्रति सहिष्णुता उत्पन्न करना और छात्रों को संसद की प्रथाओं एवं प्रक्रियाओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना है जिससे वे सरकार की कार्यप्रणाली एवं संविधानिक मूल्यों के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकें और लोकतांत्रिक रूप से अपना जीवन यापन कर सकें।

पिछले दो वित्तीय वर्षों में लगभग 600 शैक्षणिक संस्थानों और 35,000 छात्रों ने प्रतियोगिता-आधारित युवा संसद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अलावा पोर्टल-आधारित युवा संसद कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1800 युवा संसद बैठकें आयोजित की गईं जिनमें 66,000 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया।

संपादकीय

गणेश जी: आधुनिक जीवन के लिए 'परफेक्ट' मेंटर

सूत्र/रे.स.ब्यू- गणेश चतुर्थी का पर्व आते ही, हर तरफ गणपति बप्पा की धूम मच जाती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान गणेश की हर विशेषता हमें आधुनिक जीवन में सफल होने के लिए एक अमूल्य सीख देती है? आइए, उनकी छवि के पीछे छिपे जीवन प्रबंधन के रहस्यों को जानें।

बड़े कान: 'एक्टिव लिसनिंग' का गुरुमंत्र

आज की दुनिया में, जहाँ हर कोई सिर्फ अपनी बात कहना चाहता है, गणेश जी के बड़े कान हमें एक महत्वपूर्ण कौशल सिखाते हैं: सक्रिय रूप से सुनना (Active Listening)। चाहे वह ऑफिस में बॉस की बात हो, घर में बच्चों की, या दोस्तों की सलाहें जो सुनता है, वही सीखता है। कम बोलकर ज़्यादा सुनना, हमें न सिर्फ बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है, बल्कि रिश्तों में भी सुधार लाता है।

छोटी आँखें: 'फोकस' और 'बारीकी' का सबक

गणेश जी की छोटी आँखें हमें बताती हैं कि हमें हर काम पर गहराई से ध्यान केंद्रित (Laser Focus) करना चाहिए। सतही तौर पर चीजों को देखने के बजाय, हमें हर विवरण को बारीकी से समझना चाहिए। एक सफल व्यापारी, एक मेहनती छात्र, या एक कलाकार हर कोई जानता है कि सफलता इसी सूक्ष्म दृष्टि में छिपी है।

लंबी सूंड: 'अनुकूलन' (Adaptability) की कला

गणेश जी की सूंड बहुत लचीली होती है, जो हमें अनुकूलन (Adaptability) की कला सिखाती है। जीवन में हर चुनौती का सामना करने और हर परिस्थिति में ढलने के लिए यह गुण बेहद जरूरी है। आज के तेजी से बदलते दौर में, जो खुद को नहीं बदलता, वह पीछे छूट जाता है।

मूषक सवारी: 'विनम्रता' (Humility) की शक्ति

एक शक्तिशाली देवता होकर भी, गणेश जी ने एक छोटे से मूषक को अपनी सवारी बनाया। यह हमें सिखाता है कि पद और प्रतिष्ठा मिलने के बाद भी विनम्र रहना कितना आवश्यक है। सच्ची महानता इसी में है कि हम हर छोटे-बड़े प्राणी का सम्मान करें और अपनी जड़ों को न भूलें। इस गणेश चतुर्थी, आइए हम इन 'स्मार्ट' गुणों को अपनाकर अपने जीवन को और भी बेहतर बनाएँ। आखिर, गणेश जी केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि हमें जीवन का सही रास्ता दिखाने के लिए भी पूजनीय हैं।

CONCOR CMD Shri Sanjay Swarup Honored with 'Stellar Visionary Leader of the Year Award'

Source/CONCOR- Shri Sanjay Swarup, Chairman & Managing Director of Container Corporation of India Ltd. (CONCOR), was conferred with the prestigious "SEPC Stellar Visionary Leader of the Year Award" on August 29, 2025. The honor was presented at the 'Conclave on Future-Ready Logistics in India', held in New Delhi by the Ministry of Commerce.

In his address at the Inaugural Session, Shri Swarup emphasized CONCOR's initiatives including movement of export cargo in CONCOR owned containers, pan India operations of CONCOR 's over 400 container trains at 190 locations across India, development of 4.5 million sq. ft. of warehousing space, and significant steps towards Green Logistics such as deployment of LNG trucks, Electric Vehicles and Electric Trucks at MMLP Dadri for first mile–last mile solutions. He also highlighted various IT initiatives like AI-based operations at ICD TKD, live rake monitoring system, and online container booking, underscoring CONCOR's commitment to efficiency, sustainability, and innovation in multimodal logistics.

High-Speed Upgrade: Ashoka Buildcon Wins Bid to Modernize Jaipur Rail Lines

Source/RSB- Ashoka Buildcon Limited has secured a major contract worth ₹499.95 crore (including GST) for significant railway electrification work in the Jaipur Division. This pivotal project aims to modernize the existing infrastructure to support higher train speeds.

The contract involves the comprehensive design, supply, erection, testing, & commissioning of an advanced 2x25 kV traction system. This represents a substantial upgrade from the current 1x25 kV network. The scope also includes necessary modifications to the overhead equipment to facilitate the enhanced power supply.

The primary goal of this modernization is to enable trains to operate at speeds of up to 160 kmph across various sections of the Jaipur Division. This upgrade is set to drastically improve travel times & enhance the efficiency of railway operations in the region.

Ashoka Buildcon Limited is slated to complete the entire project within a 24-month timeframe, marking a significant step forward in India's mission to upgrade its railway infrastructure.

Central Railway Achieves Milestone with 50th KAVACH-Fitted Locomotive

Source/CR- Central Railway has reached a significant milestone in its mission to enhance rail safety by flagging off its 50th locomotive equipped with the KAVACH Automatic Train Protection (ATP) system. The event took place at the Electric Loco Shed in Kalyan, where General Manager Shri Dharam Veer Meena officially commissioned the WAP-7 locomotive (No. 37335).

KAVACH, India's indigenously developed safety system, is designed to prevent critical incidents such as Signal Passing At Danger (SPAD), overspeeding, and potential collisions. By automating train protection, the system significantly contributes to safer and more efficient train operations across the network.

The flagging-off ceremony was attended by senior officials, including Shri Anoop Kumar Agarwal (PCEE), Shri M. S. Uppal (PCSTE), and Shri Hiresh Meena (DRM, Mumbai), among others.

This achievement is part of a larger initiative by Central Railway to equip 730 of its locomotives with the KAVACH system, reinforcing its commit-ment to adopting advanced safety technologies for the benefit of all passengers.

New 132 KV Transmission Line Commissioned Between Jagadhri and Talheri

Source/DFCCIL- In a significant step towards strengthening the railway power infrastructure, the 132 KV transmission line between Jagadhri and Talheri has been successfully charged. The achievement has been made possible with the constant support and guidance of the top management, Electrical GGMs, and GM/Security, PRYJ.

This development resolves a long-pending project, high-lighting the effective coordination and dedicated efforts of all teams involved. The newly energized line is expected to act as an alternate source of OHE supply, ensuring greater system reliability.

With this, the railway network in the section will be better equipped to handle the movement of multiple trains simultaneously while minimizing the risk of tripping incidents. The commissioning of this line is set to enhance operational efficiency and passenger safety, reinforcing Indian Railways' commitment to reliable service delivery.

Director General of Railway Health Services Inspects Lallaguda Central Hospital

Source/SCR- Dr. Jagdish Chandra, the esteemed Director General of Railway Health Services, Railway Board, conducted a significant inspection of the Central Hospital in Lallaguda on 30th Aug 2025. The high-level visit was aimed at reviewing the hospital's facilities and patient care services.

During the comprehensive tour, Dr. Chandra was accompanied by the zone's top medical leadership, including Dr. Nirmala Rajaram, Principal Chief Medical Director of South Central Railway, and Dr. I. Shivanaga Prasad, the Medical Director of Central Hospital. A team of the hospital's senior doctors was also present.

The inspection underscores the Railway Board's continued commitment to ensuring the highest standards of medical care for its employees and their families. The presence of the top railway health official served as a motivational event for the entire medical team at Central Hospital, Lallaguda.

Konkan Railway and IPRCL Partner to Enhance Infrastructure and Logistics

Source/KR- Konkan Railway Corporation Limited (KRCL) and the Indian Port Rail & Ropeway Corporation Limited (IPRCL) have officially signed a Memorandum of Understanding (MoU) to foster collaboration in the transport and logistics sectors.

The strategic agreement is aimed at leveraging the strengths of both organizations to achieve three primary objectives: accelerating infrastructure development, enhancing logistics networks, and promoting sustainable transport solutions.

This partnership establishes a formal framework for KRCL and IPRCL to work jointly on projects and initiatives that will contribute to the growth and modernization of the nation's transport infrastructure in a sustainable manner.

Titagarh Rail Systems Awarded ₹91.12 Crore Contract by Banaras Locomotive Works

Source/RSB- Titagarh Rail Systems Limited (TRSL) has secured a significant domestic order from Banaras Locomotive Works for the supply of complete shell assemblies for WAG-9HC locomotives.

The contract, valued at ₹91.12 crore inclusive of GST, highlights TRSL's established role within the railway manufacturing sector.

Under the terms of the agreement, the company will be responsible for providing the complete locomotive shells. The execution of the order is scheduled to be completed by August 31, 2026

Women Take the Lead: SCR Makes History with Five Departments Headed by Women Officers

Five Crucial Departments on SCR i.e., Commercial, Operating, Finance, Security & Medical departments are being led by Women Officers, for the first time in the history of SCR.

Source/RSB- Five Important departments on South Central Railway i.e., Commercial, Operations, Finance, Security & Medical departments are currently being led by Women Officers in the South Central Railway zone. Ms. K. Padmaja (IRTS) Principal Chief Operations Manager is currently handling the Operating department, Ms. Aroma Singh Thakur (IRPFS) is leading the Security department as the Inspector General – cum – Principal Chief Security Commissioner (IG-cum-PCSC), Ms.T.Hema Sunitha (IRAS) is leading the Finance wing of SCR as Principal Financial Advisor, Ms. Ity Pandey (IRTS) is leading the commercial department as Principal Chief Commercial Manager, SCR, while Dr. Nirmala Narasimhan (IRHS) is leading the Medical department as Principal Chief Medical Director, SCR.

For the first time in the history of South Central Railway, these five crucial departments of the zone are being led by all women officers. These departments, known for their complexity and demanding nature, require exceptional leadership, decision-making and coordination to ensure the smooth operation of services, the safety & security of passengers, and the well-being of employees. Despite the challenges inherent in these high-pressure roles, these women officers are handling every aspect with utmost efficiency, setting a powerful example of excellence.

Ms. K. Padmaja (IRTS – 1991 batch) assumed charge as Principal Chief Operations Manager, SCR in January, 2025. Before assuming charge, she was looking after both Commercial and Operations wing of the Zone. As the PCOM, she plays a crucial role in planning train operations and ensuring safe, efficient and punctual movement of passenger and freight trains across the zone. The department manages scheduling and time tabling of trains, traffic management, co-ordination with other departments to addressing infra and rolling stock requirements, monitoring train operations and punctuality performance etc. During the current financial year (2025-26) until July, the zone has achieved a whopping 49 Million Tonnes in Freight loading generating freight revenue of Rs. 4,601 crores. The zone has also operated 1,117 special train services to facilitate the passengers during holiday season during the current year.

Mrs. Ity Pandey (IRTS - 1998 batch) has assumed charge as the PCCM (Principal Chief Commercial Manager), South Central Railway earlier in this month i.e., 2nd August 2025. As the head of the Commercial department, she supervises the effective management of passenger and freight services ensuring customer satisfaction and revenue generation. The Commercial department manages passenger services such as ticketing, reservations, customer assistance, freight services, station management, advertising, non-fare revenue, marketing & business development, revenue generation etc. Before taking charge as Principal Chief Commercial Manager, SCR, Mrs. Ity Pandey served as Divisional Railway Manager, Bhusawal Division, Chief Commercial Manager (Passenger Services) at the Central Railway Headquarters apart from various significant posts in Central and Western Railways. She has been honoured with General Managers Award (twice), Ministry of Railways Award for excellence & Meritorious Services 2007 and Women Achievers Award 2016. She has been honoured with Rail Mantri Rajbhasha Rajat Padak in June 2025. As Chief Commercial Manager (Freight), she wrote a Book named 'Riding the Freight Train', a comprehensive overview of Freight Operations over Western Railway. She has been recognized amongst the 24 Bureaucrat Changemakers of 2024 in the Bureaucrats Annual List 2024. She is a Marathon Runner and the only lady Civil Servant to complete the Comrades Marathon in South Africa in 2023 and completed a grueling 88-kilometer distance in 11 hours and 47 minutes.

Indian Railways to Mark 350th Martyrdom Day of Guru Tegh Bahadur Ji, Inspiring Youth with His Teachings and Sacrifices

Punjabi Signboards, Enhanced Cleanliness & Hygiene, Langar on Board, and Improved Pilgrimage Train Facilities to Mark Railways' Tribute to Guru Tegh Bahadur Ji

Source/RSB- Indian Railways, under the guidance of the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, is set to commemorate the 350th Martyrdom day of Guru Tegh Bahadur Ji in a respectful manner. This initiative aims to spread awareness among the younger generation about the teachings and sacrifices of the revered Sikh Guru.

Addressing a high-level meeting held on 29th August, 2025 at Rail Bhawan New Delhi, Shri Ravneet Singh, Hon'ble Union Minister of State for Railways and Food Processing Industries, said that Indian Railways welcomes the valuable suggestions provided by leaders of various Sikh institutions for the commemoration of this historic event. This initiative marks a historic collaboration between Indian Railways and the Sikh community to honor the legacy of Guru Tegh Bahadur Ji, the ninth Guru of the Sikhs, whose supreme sacrifice for religious freedom continues to inspire generations.

Shri Ravneet Singh informed that this was the first time a dedicated meeting was held at Rail Bhawan to discuss the requirements and suggestions from all major Sikh organizations for the upcoming Shatabdi (centenary) commemorations. Discussions were held on to Display of Guru Tegh Bahadur Ji's Shlokas at all railway stations and on trains across India; Special commemorative trains to be operated from different locations during the Shatabdi period; Punjabi signboards to be installed at all railway stations in Haryana, Patna, and Hazur Sahib; Enhanced cleanliness and hygiene in trains such as the Sachkhand Express; along with provision of Langar (community meals) on board; Improvement in facilities on all pilgrimage (Yatra) trains and increased connectivity to major Sikh pilgrimage destinations, especially Delhi. Various proposals were put

forward, including the renaming of Delhi Railway Station as Guru Tegh Bahadur Railway Station; Daily train services to Takht Sri Patna Sahib with pantry car facilities and better infrastructure at Patna Sahib station, including lifts and escalators; Improved hygiene at pilgrimage stations and better accessibility to Patna Sahib via the Vande Bharat Express; Launch of a special train connecting the Five Takhts for a duration of three months; Increased train stoppages at key locations like Karnal & Kurukshetra; Enhanced connectivity to Hazoor Sahib and other Takhts through modern trains such as the Vande Bharat and Amrit Bharat Express.

Chairman, Railway Board Shri Satish Kumar assured all representatives that Indian Railways would give due consideration to the suggestions and take appropriate steps to ensure the success of the Shatabdi commemorations. The meeting was attended by prominent Sikh leaders and representatives, including S. Manjinder Singh Sirsa, Cabinet Minister, Govt. of NCT of Delhi, S. Gurcharan Grewal, General Secretary, Shiromani Gurdwara Prabandhak Committee (SGPC), S. Jagjot Singh Sohi, President, Takht Sri Patna Sahib, S. Jagdish Singh Jhinda, President, Haryana Sikh Gurdwara Prabandhak Committee, Dr. Vijay Satbir Singh, Administrator, Hazoor Sahib Gurdwara Prabandhak Committee, S. Tarlochan Singh, Former MP, Rajya Sabha, S. Vikramjit Singh Sahney, MP, Rajya Sabha and President, World Punjabi Organisation.

Senior Railway officials who attended the meeting included, Shri Naveen Gulati, Member (Infrastructure), Shri Hitendra Malhotra, Member (Ope-rations & Business Development), Shri Ashok Kumar Verma, General Manager, Northern Railway, Shri Sanjay Kumar Jain, CMD, IRCTC and Shri Dhananjay Singh, Executive Director (PG), Ministry of Railways.

RailTel Shines at SCOPE Eminence Awards, Felicitated by Hon'ble President of India

Source/RailTel- RailTel Corporation of India Limited, a Navratna CPSE under the Ministry of Railways, has been conferred with the prestigious SCOPE Eminence Award in the Digital Transformation category. The award was presented by the Hon'ble Presi-dent of India, Smt. Droupadi Murmu, recognizing RailTel's exceptional contribution to driving digital innovation and modernization across the country. RailTel has consistently led the way in leveraging technology to transform both its internal operations and the services it delivers to customers. From building advanced digital platforms and modern IT infrastructure to enabling smarter workflows and data-driven decisionmaking, RailTel has strengthened its

position as a key enabler of digital transformation in India. Its initiatives have enhanced operational efficiency, improved customer experience, & fostered a culture of innovation within the organization.

Expressing pride in the achievement, Sh. Sanjai Kumar, CMD, RailTel, said, "This award is a testament to our commitment to innovation, efficiency, & digital inclusion. We will continue to harness emerging technologies like AI, analytics, and cybersecurity solutions to deliver smarter, more resilient digital infrastructure for Indian Railways and beyond."

This recognition further cements RailTel's position as a trusted partner in India's digital transformation journey.